गौतम बुद्ध महाविद्यालय

सम्बद्ध-सिद्धार्थ विश्वविद्यालय, कपिलवस्तु, सिद्धार्थनगर

पचपेड़वा, सांगठ, संतकबीर नगर (उ.प्र.)

(शिक्षा संकाय)

स्काउट गाइड

सत्र : 20.24...-20.25...

छात्राध्यापक/छात्राध्यापिका का नाम पूजा सिंह

शिक्षण विषय स्काउण्ट गाइड

महाविद्यालय अनुक्रमांक

स्काउट और गाइड प्रार्थना

दया कर दान भक्ति का, हमें परमात्मा देना।
दया करना हमारी आत्मा, में शुद्धता देना।
हमारे ध्यान में आओ, प्रभु आँखों में बस जाओ।
अन्धेरे दिल में आ करके, परम ज्योति जगा देना।
बहा दो प्रेम की गंगा, दिलों में प्रेम का सागर।
हमें आपस में मिलजुल कर, प्रभु रहना सिखा देना
हमारा कर्म हो सेवा, हमारा धर्म हो सेवा।
सदा ईमान हो सेवा व सेवक चर बना देना।
वतन के वास्ते जीनां, वतन के वास्ते मरना।
वतन पर जा फिदा करना, प्रभु हमको सीखा
सिखा देना।
दया कर दान भक्ति का, हमे परमात्मा देना।
दया करना हमारी आत्मा, में शुद्धता देना।

रचयिता :- श्री वीर देववीर

प्रार्थना में लगने वाला समय :- ९० सेकण्ड

स्काउट एवं गाइड झण्डागीत :-

भारत स्काउट गाइड झण्डा ऊँचा सदा रहेगा।
ऊँचा सदा रहेगा झण्डा ऊँचा सदा रहेगा।
नीला रंग गगन सा विस्तृत भ्रातृभाव फैलाता।
त्रिदल कमल नित तीन प्रतिज्ञाओं की याद दिलाता।
और चक्र कहता है प्रति पल आगे कदम बढ़ेगा।
ऊँचा सदा रहेगा झण्डा ऊँचा सदा रहेगा।
भारत स्काउट गाइड झण्डा ऊँचा सदा रहेगा।

रचयिता — श्री दया शंकर भट्ट

झण्डा गीत में लगने वाला समय — 45 सेकण्ड

स्काउट एवं गाइड नियम :-

i स्काउट एवं गाइड नियम एक है - परन्तु इसके 9 बिंदु है

1. स्काउट विश्वसनीय होता है।

2. स्काउट वफादार होता है।

3. स्काउट सबका मित्र और प्रत्येक दूसरे स्काउट का भाई होता है।

4. स्काउट विनम्र होता है।

5. स्काउट पशु पक्षियों का मित्र एवं प्रकृति प्रेमी होता है।

6. स्काउट अनुशासन शील होता है और सार्वजनिक सम्पत्ति की रक्षा करने में सहायता प्रदान करता है।

7. स्काउट साहसी होता है।

8. स्काउट मितव्ययी होता है।

9. स्काउट मन वचन और क्रम में शुद्ध होता है।

स्काउटिंग क्या है :-

यह एक राजनैतिक गैर सरकारी शिक्षक युवा संगठन है।

स्काउट एवं गाइड के उद्देश्य :-

स्काउट एवं गाइड का प्रमुख उद्देश्य छात्र / छात्राओं में देश प्रेम एवं सेवा की भावना जागृत कर हर परिस्थिति में अपने आप को आगे बढते रहने को तैयार करना है।

स्काउट एवं गाइड के सिद्धांत :-

1. ईश्वर के प्रति कर्तव्य का पालन
2. दूसरो के प्रति कर्तव्य का पालन
3. स्वयं के प्रति कर्तव्य का पालन

स्काउट एवं गाइड चिन्ह :-

सावधान की अवस्था में दाहिने हाथ को ऊपर उठाते हुए छोटी उँगली को अँगूठे से दबाकर बाकी तीन उँगलियों को कन्धे की सीध में हथेली को सामने की तरफ रखते हुए स्काउट एवं गाइड का चिन्ह बनाते हैं।

स्काउट और गाइड की प्रतिज्ञा :-

मैं मर्यादा पूर्वक प्रतिज्ञा करती हूँ कि मैं यथा शकित ईश्वर और अपने देश के प्रति अपने कर्तव्य का पालन करूँगी, दूसरो की सहायता करूँगी, गाइड नियम का पालन करूँगी।

स्काउट और गाइड का इतिहास :-

सेना में स्काउट शब्द का अर्थ होता है - गुप्त चर स्काउटिंग की सेना के समिति क्षेत्र से खींचकर जन साधारण छात्र / छात्राओं तक लाने का श्रेय

'लार्ड बेडेन पावेल' को जाता है जिन्हें बी० पी० के नाम से भी जाना जाता है। लार्ड बेडेन पावेल का पूरा नाम - राबर्ट स्टीफेन्स स्मिथ बेडेन पावेल था। उनका जन्म 22 फरवरी 1857 ई० को लन्दन के रेवरेन्ड प्रोफेसर हरबर्ट जार्ज बेडेन पावेल के घर हुआ था। जब बी० पी० तीन वर्ष के थे तो उनके पिता की मृत्यु हो गयी थी। इनकी माता हेन रेटा ग्रेस स्मिथ ने अत्यन्त कुशलता एवं साहस से परिवार की देखभाल की सन् 1900 में दक्षिण अफ्रीका में वीर असीम शकित अदम्य साहस कृतव्य प्राणयता और कार्यनिष्ठा देखने को मिला।

इससे इन्हें विश्वास हो गया कि बालक युद्ध एवं शान्ति काल दोनों में संसार को लाभ पहुँचा सकते हैं। लार्ड पावेल ने सन् 1907 में ब्राउन सी नामक टापू पर 20 बालकों के साथ अपना प्रथम शिविर लगाया इनकी सफलता से प्रेरित होकर वेडेन पावेल ने इस दिशा में और अधिक उत्साह से काम करना शुरू कर दिया।

स्काउटिंग की उत्पत्ति :-

लार्ड वेडेन पावेल ने 29 दिसम्बर को लन्दन में स्काउट शैली का आयोजन किया और अपनी बहन की सहायता से गर्ल गाइडिंग की शुरुआत की। गाइडिंग की उत्पत्ति सन् 1910 में मानी जाती है।

सीटियों के संकेत :-

	सीटी के संकेत	सीटी के अभिप्राय
1.	एक लम्बी सीटी (—)	• सावधान, आदेश की प्रतिक्षा करे।
2.	लगातार छोटी-छोटी सीटी (0000)	• दौड़ कर एकत्र हो जाये
3.	लगातार एक बड़ी और एक छोटी सीटी (0—0—0—0)	• खतरे में तैयार हो जाओ
4.	तीनी छोटी एक लम्बी सीटी (000—)	• टोली नायक या टोली नायिका
5.	चार छोटी एक लम्बी सीटी (0000—)	• दल नायक या दल नायिका को बुलाने के लिए
6.	तीन छोटी और दो लम्बी सीटी (000——)	• स्काउट मास्टर / गाइड कैप्टन को बुलाने के लिए
7.	तीन लम्बी सीटी (———)	• विसर्जन, तितर-बितर, बिखर जाओ
8.	एक छोटी सीटी (0)	• शान्त हो जाओ।

खोज के चिन्ह

क्रम. सं.	संकेत	अभिप्राय
1.	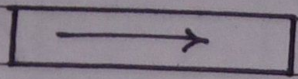	• यह रास्ता साफ है तीर की दिशा में जाइएँ।
2.	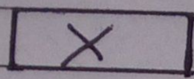	• रास्ता बदं है।
3.	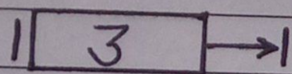	• तीन की निशान की ओर तीन कदम पर कोई पत्र है।
4.	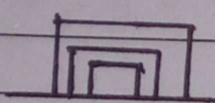	• यहाँ ठहरो।
5.	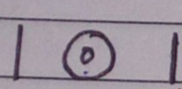	• मैं घर चला गया हूँ।
6		• तीर की ओर कैम्प है।
7.	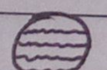	• पीने योग्य पानी है।
8.	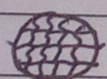	• गंदा पानी है।
9.	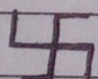	• कुशल मंगल है।
10.	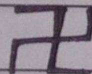	• अकुशल मंगल है।
11.	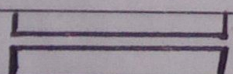	• आगे पुल है।
12.	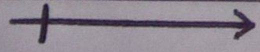	• दाहिनी ओर मुड़ जाओ।
13.	>>>	• शान्ति है।
14.	>><	• अशान्ति है।

पत्थरो से बनाया जाने वाला चिन्ह

क्र० स०	संकेत	अभिप्राय
15.	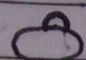	• इधर से जाइये रास्ता साफ है।
16.	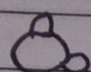	• दाहिनी ओर मुड़ जायें।
17.	O O O	• रास्ता बन्द है।

जंगलो के पेड़ पर बनाये जाने वाला चिन्ह

क्र० स०	सकेत	अभिप्राय
18.	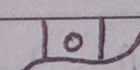	• रास्ता साफ है।
19.	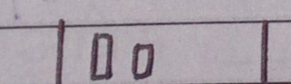	• छोटे चिन्ह की ओर मुड़ जाये
20.	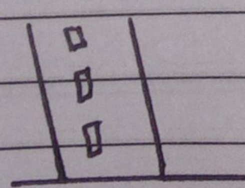	• रास्ता बन्द है उधर से न जाये

गाँठ - फाँस और बन्धन :-

गाँठ :- जब रस्सी के दोनो छोरो को आपस में मिलाया या जोड़ा जाता है, उसे गाँठ कहते हैं।

प्रकार :-

1. साधारण गाँठ
2. डॉक्टरी गाँठ
3. अष्टाकार गाँठ
4. जुलाहा गाँठ
5. लघुकर गाँठ
6. ध्रुव गाँठ
7. मघवारा गाँठ

फास :- जब रस्सी को किसी से मिलाया जाता है तो उसे फास कहते हैं।

प्रकार :-

1. खूंठा फास
2. तम्बू फास
3. गीलो फास
4. लोटा फास

बन्धन :- जब दो या दो से अधिक स्तम्भों को मिलाया जाता है, और उसे जोड़ने के लिए रस्सी का प्रयोग होता है, उसे बन्धन कहते हैं।

प्रकार :-

1. समान्तर बन्धन
2. चौकोर बन्धन
3. अष्टाकार बन्धन
4. कर्णाकार बन्धन

उम्र अनुसार विभाजन

3-5 वर्ष ———— बनी - टमटोला
6-10 वर्ष ———— कब - बुलबुल
10-17 वर्ष ———— स्काउड - गाइड
17-25 वर्ष ———— रोवर्स - रेंजर्स
25 से अधिक ———— प्रशिक्षण मास्तर तथा स्वैच्छिक समदानी बनाकर सेवा देना।